UTKARSH CLASSES
CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान और हरियाणा के मध्य 'यमुना जल समझौता' सम्पन्न
2.	30वाँ राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह – 2026
3.	20वाँ राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह: जयपुर
4.	स्वायत्त शासन विभाग (DLB) एवं हुडको के बीच MoU
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. देश का पहला 'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन' (राजस्थान का प्रतिनिधित्व) 2. 16वाँ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद सम्मेलन (राजस्थान का प्रतिनिधित्व) 3. 'ऑपरेशन युवा रक्षा' 4. केवलादेव घाना राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में पहली बार कछुओं की गणना 5. 'डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडक्ट (DDP) पोर्टल' 6. प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत 'विशेष ग्राम सभा' 7. वागड़ क्षेत्र की 'हुकड़ी परंपरा' 8. सलोनी अटल: 'स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित 9. योगेश कुमार 10. प्रवीण सिंह धांधू 11. राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता
6.	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026
7.	शास्त्रार्थ परंपरा
8.	भारत में प्रजनन दर में गिरावट
9.	एयर सुविधा 2.0 पोर्टल
10.	ग्रामीण आंतरिक लेखापरीक्षा पोर्टल
11.	ब्लू होराइजन पुरस्कार के संरक्षक
12.	अभ्यास: वैलिएंट शील्ड 2026 और रेसोल्यूट ड्रैगन 26
13.	हैम्बर्ग सतत विकास सम्मेलन (एचएससी) 2026

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान और हरियाणा के मध्य 'यमुना जल समझौता' सम्पन्न

चर्चा में क्यों?

- **29 जून, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना से संबंधित मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (MoA) पर हस्ताक्षर हुए।**

मुख्य बिन्दु:

- **इस समझौते में केन्द्रीय जल आयोग (CWC) द्वारा महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया।**
- **हस्ताक्षरकर्ता: केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।**

- **अध्यक्षता:** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा।
- **परियोजना लागत:** ₹34,102 करोड़। (लगभग)
- **लाभान्वित ज़िले:** शेखावाटी क्षेत्र के तीन ज़िले (सीकर, झुंझुनू और चूरू)
- **परियोजना की कुल लंबाई:** राजस्थान के हिस्से का पानी हथिनीकुंड बैराज (हरियाणा) से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली के माध्यम से हंसियावास (चूरू) जलाशय तक पहुंचाया जाएगा।
- परियोजना के अंतर्गत तीन भूमिगत पाइपलाइनें, निरीक्षण सड़क, कृत्रिम जलाशय तथा आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी।
- **जल आवंटन:** राजस्थान को अपने हिस्से का 577 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) जल प्राप्त होगा।
- **कार्यान्वयन संस्था:** नवगठित 'राजस्थान-हरियाणा यमुना वाटर प्रोजेक्ट एसपीवी' (RHYW-SPV) द्वारा।
- इस समझौता-पत्र में जल आवंटन, भूमि अधिग्रहण लागत, साझेदारी संचालन एवं पारदर्शी निगरानी की व्यवस्था तथा विवाद समाधान जैसे सभी महत्त्वपूर्ण विषय पर स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं।
- दोनों राज्य सरकारों के मध्य सम्पन्न यह समझौता वर्ष 1994 के ऊपरी यमुना नदी बोर्ड समझौते को क्रियान्वित करता है, जो बेसिन राज्यों के बीच यमुना नदी के जल के बंटवारे और प्रबंधन को नियंत्रित करता है।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 1994 में ऊपरी यमुना बेसिन राज्यों के मध्य समझौते के तहत राजस्थान को ताजेवाला हैड पर 1917 क्यूसेक जल आवंटित किया गया था किंतु प्रवाह प्रणाली के अभाव में 32 वर्षों तक राजस्थान अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (केन्द्रीय जल आयोग):

- केन्द्रीय जल आयोग (CWC) भारत में जल संसाधन के क्षेत्र में काम करने वाला देश का एक प्रमुख तकनीकी संगठन है।
- **संबंधित मंत्रालय:** जल शक्ति मंत्रालय।
- **स्थापना:** वर्ष 1945 में।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न:

Q1. यमुना जल परियोजना से संबंधित राजस्थान और हरियाणा के बीच हुए MoA के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस MoA पर हस्ताक्षर 29 जून, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में हुए।
2. इस समझौते में केन्द्रीय जल आयोग ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
3. परियोजना का कार्यान्वयन ऊपरी यमुना नदी बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

Q2. यमुना जल परियोजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इस परियोजना से राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, झुंझुनू और चूरू जिले लाभान्वित होंगे।
2. राजस्थान को अपने हिस्से का 577 MCM जल प्राप्त होगा।
3. राजस्थान के हिस्से का जल हथिनीकुंड बैराज से हंसियावास जलाशय तक खुली नहर प्रणाली द्वारा पहुँचाया जाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

30वाँ राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह – 2026

चर्चा में क्यों?

- 29 जून, 2026 को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में '30वाँ राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह' आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक:** स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार।
- समारोह में राजकीय विद्यालय के नए भवन निर्माण, अतिरिक्त निर्माण कार्य, निर्मित भवनों के विकास, भूमि दान देने तथा अन्य भौतिक संसाधनों के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले भामाशाहों और प्रेरकों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख सम्मान:

क्रम	सम्मान का नाम	सम्मानित	विवरण
1.	शिक्षा विभूषण	49 भामाशाह	₹1 करोड़ या उससे अधिक का दान देने वाले दानदाताओं को।
2.	शिक्षा भूषण	105 भामाशाह	₹30 लाख से ₹1 करोड़ से कम का दान देने वाले दानदाताओं को।
3.	प्रेरक सम्मान	99 प्रेरक	₹50 लाख या उससे अधिक के कार्यों के लिए प्रेरित करने वाले प्रेरकों को।
नोट: सम्मानित होने वाले भामाशाहों और प्रेरकों में 23 नॉन-रेजिडेंट इंडियन (NRI) दानदाता भी शामिल हैं।			

अन्य सम्मान:

- 29 जून, 2026 को राजस्थान के सभी जिलों में 'जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह' आयोजित किया गया।
- **'शिक्षा श्री सम्मान':** ₹1 लाख से ₹29,99,999 तक की राशि का सहयोग करने वाले भामाशाहों को जिला स्तरीय 'शिक्षा श्री सम्मान' से सम्मानित किया गया।
- **जिला स्तरीय प्रेरक सम्मान:** ₹5 लाख से ₹49,99,999 तक की राशि का सहयोग करने के लिए प्रेरित करने वाले प्रेरकों को जिला स्तरीय प्रेरक सम्मान प्रदान किया गया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न:

Q. '30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह समारोह 29 जून, 2026 को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

2. इसका आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा किया गया।

3. समारोह में केवल राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

CIVIL SERVICES

20वाँ राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह: जयपुर

चर्चा में क्यों?

- आधुनिक भारतीय सांख्यिकी के शिल्पकार प्रोफेसर प्रशांत चंद्र (PC) महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में 29 जून, 2026 को '20वाँ राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस' मनाया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक:** सांख्यिकी विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान सरकार।
- **आयोजन स्थल:** कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान, जयपुर।
- **वर्ष 2026 की विषयवस्तु:** 'अनलॉकिंग द पोटेंशियल ऑफ एडमिनेस्ट्रेटिव डेटा'।
- **विमोचन:** समारोह में उप-मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने 'राजस्थान स्टेटिस्टिकल ईयर बुक - 2026' तथा 'राजस्थान सतत विकास लक्ष्य स्टेटस रिपोर्ट - 2026' का विमोचन किया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **पुरस्कार:** सांख्यिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राज्य स्तरीय 'प्रो. पी.सी. महालनोबिस सांख्यिकी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
- प्रो. पी.सी. महालनोबिस ने देश के सामाजिक-आर्थिक नियोजन, पंचवर्षीय योजनाओं तथा सैंपल सर्वेक्षण पद्धति के माध्यम से विकास की दिशा निर्धारित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा विकसित 'राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षण' सहित अन्य सांख्यिकीय ढाँचे ने देश की विकास योजनाओं एवं नीति निर्माण को नई दिशा दी।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

CM-PRAMAN पहल:

- **पूरा नाम:** पॉलिसी, रिसर्च एंड एनालिटिक्स फॉर मीजेरेबल एक्शन एंड नेक्सस।
- यह राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित एक समर्पित राज्य-स्तरीय डेटा और पॉलिसी स्ट्रेटेजी इकाई है।
- वर्ष 2026-27 के बजट में घोषित इस पहल से सरकार के विभिन्न विभागों के आँकड़ों के एकीकरण, उन्नत विश्लेषण तथा साक्ष्य आधारित नीति निर्माण को नई गति मिली है।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न

Q. CM-PRAMAN पहल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसका पूरा नाम पॉलिसी, रिसर्च एंड एनालिटिक्स फॉर मीजेरेबल एक्शन एंड नेक्सस है।
2. यह राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित राज्य-स्तरीय डेटा और पॉलिसी स्ट्रेटेजी इकाई है।
3. इसे वर्ष 2025-26 के बजट में घोषित किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

स्वायत्त शासन विभाग (DLB) एवं हुडको के बीच MoU

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान स्वायत्त शासन विभाग (DLB) और हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HUDCO) के बीच अर्बन चैलेंज फंड (UCF) के तहत ₹15,800 करोड़ की परियोजनाओं के लिए एक समझौता-ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्य बिन्दु:

- **इस MoU का उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 शहरों में विश्व स्तरीय शहरी बुनियादी ढाँचा विकसित करना, DPR तैयार करना और वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करना है।**
- **उल्लेखनीय है कि राज्य में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा गठित अर्बन चैलेंज फंड (UCF) के माध्यम से राजस्थान के शहरी स्थानीय निकायों में आगामी पाँच वर्षों में लगभग ₹15,800 करोड़ की लागत से सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस कचरा प्रबंधन, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यीकरण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का समावेशी विकास किया जाएगा।**
- **इस फंड के तहत HUDCO के सहयोग से परियोजनाओं का निर्माण, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) तैयार कर समयबद्ध तरीके से विकास कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।**

अर्बन चैलेंज फंड (UCF):

- **अर्बन चैलेंज फंड (UCF) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) की एक केंद्र प्रायोजित योजना है।**
- **इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2030–31 तक ₹1,00,000 करोड़ की केंद्रीय सहायता निर्धारित की गई है और इसे लागू करने की अवधि वित्तीय वर्ष 2033–34 तक बढ़ाई जा सकती है।**
- **इसका उद्देश्य चैलेंज-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से बैंकेबल शहरी अवसंरचना परियोजनाओं का समर्थन करना है, जिससे पाँच वर्षों में लगभग ₹4 लाख करोड़ के निवेश को उत्प्रेरित किया जा सके।**

वित्त पोषण:

- **केंद्रीय सहायता: परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत।**
- **बाज़ार लाभ: शहरों को परियोजना लागत का कम से कम 50 प्रतिशत बाज़ार स्रोतों से जुटाना होगा, जिसमें नगर निगम बॉण्ड, बैंक ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPPs) शामिल हैं।**

- **शेष हिस्सा:** शेष 25 प्रतिशत का योगदान राज्य, केंद्रशासित प्रदेश और शहरी स्थानीय निकाय (ULBs) द्वारा वहन किया जाएगा।
- राजस्थान में UCF के तहत प्रस्तावित ₹15,800 करोड़ की परियोजनाओं में केंद्र सरकार का हिस्सा लगभग ₹3,950 करोड़ होगा।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न

Q. राजस्थान में UCF के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. आगामी पाँच वर्षों में राजस्थान के शहरी स्थानीय निकायों में लगभग ₹15,800 करोड़ की लागत से विकास कार्य किए जाएँगे।
2. इन परियोजनाओं में सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस कचरा प्रबंधन और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएँ शामिल होंगी।
3. इन परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) तैयार करने में HUDCO का सहयोग लिया जाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**देश का पहला 'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन' (राजस्थान का प्रतिनिधित्व)** ■ हाल ही में, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में देश का पहला 'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन' आयोजित किया गया। ■ इस सम्मेलन में राजस्थान के कृषि, ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया।
2.	**16वाँ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद सम्मेलन (राजस्थान का प्रतिनिधित्व)** ■ 29 जून, 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 16वें केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद सम्मेलन (CCHFW) में राजस्थान का प्रतिनिधित्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने किया।
3.	**'ऑपरेशन युवा रक्षा'** ■ 26 जून, 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस' के अवसर पर वित्त मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN), की कोटा इकाई द्वारा 'ऑपरेशन युवा रक्षा' के अंतर्गत कोटा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ■ 'ऑपरेशन युवा रक्षा' केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख नशा विरोधी जन-जागरूकता पहल है। ■ इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उन्हें एक स्वस्थ व नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

4.	**केवलादेव घाना राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में पहली बार कछुओं की गणना** ■ भरतपुर स्थित केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान (घना पक्षी विहार) में पहली बार मीठे पानी के कछुओं की वैज्ञानिक गणना की गई। ■ इस कछुआ सर्वेक्षण में उद्यान के भीतर मीठे पानी के कछुओं की 7 प्रजातियाँ पाई गई हैं, जो पूरे राजस्थान में किसी एक स्थान पर सबसे अधिक हैं। ○ इंडियन टेंट कछुआ, ○ इंडियन रूफ़्ड कछुआ, ○ क्राउनड रिवर कछुआ, ○ इंडियन फ़्लैपशेल कछुआ, ○ गंगा सॉफ्टशेल कछुआ, ○ काला/धब्बेदार तालाब कछुआ, ○ इंडियन पीकॉक सॉफ्टशेल कछुआ।
5.	**'डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडक्ट (DDP) पोर्टल'** ■ राजस्थान सरकार द्वारा विकसित 'डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडक्ट (DDP) पोर्टल' राज्य के प्रत्येक जिले की आर्थिक प्रगति के सटीक मूल्यांकन और जिला-स्तरीय विकास योजनाओं की निगरानी के लिए बनाया गया एक सांख्यिकीय मंच है। ■ इसे आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा संचालित किया जाता है।
6.	**प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत 'विशेष ग्राम सभा'** ■ 29 जून, 2026 को राजस्थान के सभी ग्राम पंचायत भवनों में 'प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G)' के अंतर्गत 'विशेष ग्राम सभा' का आयोजन किया गया। ■ इस सभा का आयोजन मुख्य रूप से पात्र लाभार्थियों की सूची के भौतिक सत्यापन, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नई वरीयता सूची के अनुमोदन के लिए किया जाता है।

	प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण: ■ **शुरुआत -** 1 अप्रैल, 2016 ■ **कार्यान्वयन –** ग्रामीण विकास मंत्रालय। ■ **लक्ष्य –** ग्रामीण क्षेत्रों में 'सभी के लिए आवास' उपलब्ध कराना।
7.	**वागड़ क्षेत्र की 'हुकड़ी परंपरा'** ■ राजस्थान के सुदूर दक्षिण में स्थित बाँसवाड़ा और डूँगरपुर के ग्रामीण इलाकों में 'हुकड़ी परंपरा' सामाजिक समरसता, आपसी भरोसे और आत्मनिर्भरता पर टिका एक पारंपरिक वस्तु-विनिमय (Barter System) का सामाजिक अनुबंध है। ■ यह प्रथा पूरी तरह से आपसी विश्वास पर आधारित है, जिसमें रुपयों-पैसों का लेन-देन नहीं होता। गाँव के विभिन्न पुश्तैनी और सेवाभावी कार्य करने वाले लोग सालभर ग्रामीणों को अपनी सेवाएं और उत्पाद बिना किसी नगद भुगतान के उपलब्ध कराते हैं।
8.	**सलोनी अटल: 'स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित** ■ हाल ही में, जयपुर की ताइक्वांडो खिलाड़ी सलोनी अटल को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया। ■ उन्हें यह सम्मान नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित अंबेडकर ग्लोबल फाउंडेशन के सम्मान समारोह में दिया गया।
9.	**योगेश कुमार** ■ जर्मनी में आयोजित जूनियर वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में राजस्थान के योगेश कुमार ने 50 मीटर फ्री पिस्टल इवेंट में रजत पदक जीता। ■ **संबंधित ज़िला:** चूरू।

10.	**प्रवीण सिंह धांधू** ■ **रामसर (बाड़मेर) निवासी प्रवीण सिंह धांधू ने CME नोड, पुणे में आयोजित 'अंडर-23 राष्ट्रीय रोइंग चैंपियनशिप' में स्वर्ण पदक जीता।** ■ **प्रवीण सिंह दिसंबर, 2026 में आयोजित होने वाली एशियन रोइंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।**
11.	**राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता** ■ **राजस्थान क्रिकेट संघ (RCA) के तत्वावधान में आयोजित 'राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता' के फाइनल में सीकर ने जयपुर को 6 विकेट से हराकर खिताब जीता।** ■ **फाइनल का आयोजन: जोधपुर के बरकतुल्लाह खाँ स्टेडियम में।**

राष्ट्रीय परिदृश्य

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 में प्रस्तावित संशोधनों का प्रारूप प्रकाशित किया है।

मुख्य बिन्दु:

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 का उद्देश्य ग्रामीण जनसंख्या के 75% तथा शहरी जनसंख्या के 50% तक की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।
- इसका उद्देश्य लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के माध्यम से रियायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराकर खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- पात्र परिवारों को निम्नलिखित आधार पर रियायती खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है—
    - **अंत्योदय अन्न योजना (AAY) परिवार:** ये परिवार समाज के अत्यंत गरीब वर्ग से संबंधित होते हैं।
    - प्रत्येक AAY परिवार को प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रदान किया जाता है।
    - **प्राथमिकता परिवार (PHH):** प्रत्येक पात्र व्यक्ति को प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न प्रदान किया जाता है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के साथ विलय

- वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) प्रारम्भ की, जिसके अंतर्गत अतिरिक्त खाद्यान्न नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया।

- जनवरी, 2023 से सरकार ने PMGKAY का NFSA में विलय कर दिया तथा NFSA के अंतर्गत मिलने वाले नियमित खाद्यान्न को भी पूर्णतः निःशुल्क कर दिया।
- नवंबर, 2023 में इस निःशुल्क खाद्यान्न योजना को पाँच वर्ष (जनवरी, 2024 से दिसंबर, 2028 तक) के लिए बढ़ा दिया गया।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) में प्रस्तावित संशोधन

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की धारा 3 में एक नया प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव है, जिसके अनुसार अंत्योदय अन्न योजना के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रति माह 7 किलोग्राम खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि प्रति परिवार अधिकतम 35 किलोग्राम की सीमा लागू रहे।
- पूर्व में प्रत्येक AAY परिवार को परिवार के सदस्यों की संख्या की परवाह किए बिना 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति माह प्रदान किया जाता था।
- AAY राशन कार्डधारकों को यह खाद्यान्न पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।
- **प्रस्ताव का औचित्य:** इस संशोधन का उद्देश्य खाद्यान्न आवंटन को अधिक तर्कसंगत बनाना है।
- वर्तमान व्यवस्था में छोटे परिवारों को प्रति व्यक्ति अपेक्षाकृत अधिक तथा बड़े परिवारों को कम खाद्यान्न प्राप्त होता है।
- प्रस्तावित संशोधन इस असंतुलन को दूर करने का प्रयास करता है।

RAS MAINS MODEL QUESTION

Q. क्या केवल निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराना खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है? पोषण सुरक्षा, कृषि उत्पादकता एवं सामाजिक सुरक्षा के संदर्भ में समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

इतिहास एवं संस्कृति

शास्त्रार्थ परंपरा

चर्चा में क्यों?

- अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ' मन की बात' के 135वें एपिसोड को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शास्त्रार्थ (विद्वत्तापूर्ण बहस) की प्राचीन भारतीय परंपरा को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित करने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की सराहना की।

मुख्य बिन्दु:

शास्त्रार्थ परंपरा

- शास्त्रार्थ (शास्त्र का अर्थ है शास्त्र/ज्ञान और अर्थ का अर्थ है अर्थ/व्याख्या) अनुशासित, संरचित और खुली सार्वजनिक बहस की प्राचीन भारतीय दार्शनिक प्रणाली है ।

उत्पत्ति और ऐतिहासिक निरंतरता:

- **वैदिक और उपनिषदीय मूल:** यह प्रथा हजारों साल पुरानी है, जिसका उल्लेख उपनिषदों और प्रारंभिक वैदिक सभाओं (सभाओं और समितियों) में विस्तार से मिलता है।
- यह नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला जैसे भारत के प्राचीन आवासीय विश्वविद्यालयों में केंद्रीय शिक्षण उपकरण के रूप में कार्य करता था, जहाँ अंतरराष्ट्रीय विद्वान बहस करने के लिए एकत्रित होते थे।
- **प्रसिद्ध ऐतिहासिक मुठभेड़ें:** शास्त्रार्थ की पौराणिक मुठभेड़ों ने भारतीय बौद्धिक इतिहास को आकार दिया है, जैसे कि आदि शंकराचार्य और मंदान मिश्रा के बीच वैदिक दर्शन पर 8वीं शताब्दी की ऐतिहासिक बहस, और स्वामी दयानंद सरस्वती की 1869 में हुई काशी बहस जैसी आधुनिक सामाजिक-धार्मिक बहसें।

समाजशास्त्र

भारत में प्रजनन दर में गिरावट

चर्चा में क्यों?

- नवीनतम नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल प्रजनन दर (TFR) प्रति महिला 1.9 बच्चे रह गई है, जो वैश्विक औसत (2.2) तथा प्रतिस्थापन स्तर 2.1 दोनों से कम है।

मुख्य बिन्दु:

नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट, 2024

- भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात् किसी महिला द्वारा अपने प्रजनन काल (15-49 वर्ष) के दौरान जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे आ गई है।
- प्रतिस्थापन दर से आशय उस औसत जन्म दर से है, जो एक पीढ़ी से आगामी पीढ़ी तक जनसंख्या को बिना प्रवासन के स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक होती है।
- वर्ष 2024 में भारत के केवल बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य थे, जहाँ TFR 2.1 से अधिक दर्ज किया गया।
- दिल्ली में सबसे कम TFR 1.2 दर्ज की गई, जबकि तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में यह 1.3 रही।
- दक्षिणी राज्यों में TFR हमेशा से राष्ट्रीय औसत से कम रही है और विगत दो दशकों में इसमें अधिक गिरावट आई है।
- वर्ष 1985 में भारत की TFR 4.3 थी, जो प्रतिवर्ष लगभग 0.06 की दर से घटती रही है तथा इसके पुन: बढ़ने के कोई संकेत नहीं हैं।
- वर्तमान प्रवृत्ति के अनुसार, वर्ष 2031 तक भारत की TFR 1.6 से भी नीचे पहुँचने का अनुमान है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

भारत में प्रजनन दर में गिरावट के कारण

- विवाह एवं मातृत्व में विलंब
- शहरीकरण
- गर्भनिरोधक साधनों एवं परिवार नियोजन तक बेहतर पहुँच
- शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी
- आर्थिक कारण
- जनसांख्यिकीय संक्रमण: भारत जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल के उत्तरवर्ती चरण में प्रवेश कर चुका है, जिसकी विशेषता निम्न जन्म दर, निम्न मृत्यु दर तथा धीमी जनसंख्या वृद्धि है।

सरकारी पहल

- **राज्य-स्तरीय जनसंख्या नीतियाँ:** आंध्र प्रदेश की जनसंख्या प्रबंधन नीति (2026) के अंतर्गत दूसरे, तीसरे एवं चौथे बच्चे के जन्म पर नकद प्रोत्साहन, नि:शुल्क शिक्षा सहायता, प्रजनन (फर्टिलिटी) क्लीनिकों की स्थापना तथा मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का प्रावधान किया गया है।
- सिक्किम ने घटती प्रजनन दर से निपटने के लिए विस्तारित मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश तथा इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) उपचार हेतु सहायता जैसी पहलें प्रारम्भ की हैं।

बाँझपन सहायता कार्यक्रम

- **मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य योजनाएँ:** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत संचालित कार्यक्रम मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार, शिशु मृत्यु दर में कमी तथा परिवार निर्माण एवं संतानोत्पत्ति के अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण में सहायक हैं।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री (स्तनपान कराने वाली) महिलाओं को मातृत्व लाभ प्रदान किए जाते हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **मिशन शक्ति:** यह महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सुरक्षा हेतु एक समेकित कार्यक्रम है।
- **पालना योजना (राष्ट्रीय शिशु गृह योजना):** यह योजना 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए डे-केयर (दिवसीय देखभाल) सुविधाएँ उपलब्ध कराती है।
- **अटल वयो अभ्युदय योजना (AVYAY):** AVYAY के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित वर्तमान योजनाओं, भावी रणनीतियों, लक्ष्यों, वित्तीय प्रावधानों एवं उत्तरदायित्वों को एकीकृत रूप में समाहित किया गया है।
- **वरिष्ठ नागरिकों हेतु एकीकृत कार्यक्रम योजना:** इस योजना के अंतर्गत विशेष रूप से निर्धन वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु वृद्धाश्रमों की स्थापना की जाती है।
- **सिल्वर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन:** इस पहल का उद्देश्य उद्यमियों को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु नवाचारपूर्ण उत्पाद एवं सेवाएँ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

UTKARSH

RAS MAINS MODEL QUESTION

Q. "जनसंख्या नियंत्रण से जनसंख्या संतुलन की ओर"—भारत की बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

एयर सुविधा 2.0 पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) ने एयर सुविधा 2.0 पोर्टल का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

एयर सुविधा 2.0 पोर्टल

- यह यात्रियों के लिए विकसित एक उन्नत संपर्क-रहित स्वास्थ्य स्व-घोषणा पोर्टल है, जिसका उद्देश्य देश के प्रवेश बिंदुओं पर सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी को सुदृढ़ बनाना है।
- इस पोर्टल का शुभारंभ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य एवं युगांडा में इबोला/बुंडीबुग्यो वायरस रोग के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थिति घोषित किए जाने के बाद किया गया।
- स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से विकसित यह पोर्टल अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को आव्रजन प्रक्रिया से पूर्व अनिवार्य ऑनलाइन स्वास्थ्य स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान करता है।

बुंडीबुग्यो वायरस रोग

- बुंडीबुग्यो वायरस रोग (BVD) एक दुर्लभ एवं संभावित रूप से घातक वायरल रक्तस्रावी ज्वर है।
- यह बुंडीबुग्यो वायरस, जो इबोला वायरस का एक प्रकार है, के कारण होता है।
- अब तक इस रोग के दो प्रमुख प्रकोप दर्ज किए गए हैं—
    - युगांडा (2007)।
    - कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (2012)।

- यह रोग संक्रमित अथवा मृत व्यक्ति के रक्त एवं शारीरिक द्रवों के संपर्क में आने से फैलता है।
- संक्रमित वस्तुओं तथा चमगादड़ एवं अन्य गैर-मानव प्राइमेट्स जैसे संक्रमित पशुओं के संपर्क से भी इसका संक्रमण फैल सकता है।

Question

Q. एयर सुविधा 2.0 पोर्टल का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A. हवाई टिकट बुकिंग को सरल बनाना

B. संपर्क-रहित स्वास्थ्य स्व-घोषणा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी को सुदृढ़ बनाना

C. एयरपोर्ट सुरक्षा बढ़ाना

D. सामान की ऑनलाइन ट्रैकिंग करना

UTKARSH CIVIL SERVICES

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

ग्रामीण आंतरिक लेखापरीक्षा पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने नई दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन के दौरान एआई-सक्षम 'ग्रामीण आंतरिक लेखापरीक्षा पोर्टल' का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

ग्रामीण आंतरिक लेखापरीक्षा पोर्टल

- ग्रामीण आंतरिक लेखापरीक्षा पोर्टल एक एआई-संचालित, एकीकृत क्लाउड-आधारित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है जिसे सार्वजनिक आंतरिक लेखापरीक्षाओं के संपूर्ण जीवनचक्र के प्रबंधन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- मुख्य लेखा नियंत्रक कार्यालय (सीसीए) द्वारा परिकल्पित यह पोर्टल, खंडित, कागजी और मैन्युअल लेखापरीक्षा प्रणाली को एक मानकीकृत, डेटा-संचालित ढांचे से प्रतिस्थापित करता है।
- **नोडल मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय।
- **विकास भागीदार:** राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सक्रिय सहयोग से निर्मित और परिकल्पित।

उद्देश्य:

- संस्थागत जवाबदेही को अधिकतम करने और प्रणालीगत वित्तीय गड़बड़ियों को समाप्त करने के लिए आंतरिक सार्वजनिक लेखापरीक्षाओं को डिजिटाइज़, मानकीकृत और सरल बनाना।

Question

Q. ग्रामीण आंतरिक लेखापरीक्षा पोर्टल का नोडल मंत्रालय कौन-सा है?

A. वित्त मंत्रालय

B. ग्रामीण विकास मंत्रालय

C. पंचायती राज मंत्रालय

D. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

ब्लू होराइजन पुरस्कार के संरक्षक

चर्चा में क्यों?

- भारत के प्रधानमंत्री को सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा सर्वोच्च राष्ट्रपति सम्मान, 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

ब्लू होराइजन पुरस्कार के संरक्षक

- 'ब्लू होराइजन का संरक्षक' एक विशिष्ट पद है। राष्ट्रपति पद का सम्मान और यह सेशेल्स गणराज्य द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।
- इसे विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण, जलवायु अनुकूलन, हरित विकास और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के सतत प्रबंधन में अनुकरणीय अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व को मान्यता देने के लिए बनाया गया है।
- **प्रदानकर्ता:** यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को विक्टोरिया, माहे में एक विशेष राजकीय समारोह में सेशेल्स गणराज्य के छठे राष्ट्रपति, महामहिम डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा प्रदान किया गया ।
- यह पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी को किसी विदेशी राष्ट्र से प्राप्त होने वाला 34वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अभ्यास: वैलिएंट शील्ड 2026 और रेसोल्यूट ड्रैगन 26

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक साथ पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में दो प्रमुख सैन्य अभ्यास शुरू किए हैं: वैलिएंट शील्ड 2026 और रेसोल्यूट ड्रैगन 26।

मुख्य बिन्दु:

अभ्यास: वैलिएंट शील्ड 2026

- वेलिएंट शील्ड 2026 (VS26) एक द्विवार्षिक, उच्च-तीव्रता वाला बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास है।

शामिल राष्ट्र:

- **अग्रणी राष्ट्र:** संयुक्त राज्य अमेरिका।
- **प्रमुख सहभागी सहयोगी:** जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड।

अभ्यास रेसोल्यूट ड्रैगन 26

- रेसोल्यूट ड्रैगन 26 जापान में आयोजित होने वाला एक वार्षिक, द्विपक्षीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास है।
- **शामिल राष्ट्र:** संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान।

Question

Q. निम्नलिखित में से कौन-सा देश अभ्यास वैलिएंट शील्ड 2026 के प्रमुख सहभागी सहयोगियों में शामिल है?

1. जापान
2. ऑस्ट्रेलिया
3. कनाडा
4. न्यूजीलैंड

कूट:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2, 3 और 4
C. केवल 1, 2 और 3
D. 1, 2, 3 और 4

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

हैम्बर्ग सतत विकास सम्मेलन (एचएससी) 2026

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (एसडीएसएन) ने तीसरे हैम्बर्ग सततता सम्मेलन (एचएससी) के दौरान अपनी 2026 सतत विकास रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

हैम्बर्ग सतत विकास सम्मेलन (एचएससी), 2026

- हैम्बर्ग सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस (एचएससी) एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, बहु-हितधारक मंच है जिसे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पटरी पर लाने और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए कार्रवाई को गति प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया है।
- **स्थापना वर्ष:** वार्षिक सम्मेलन का पहला संस्करण 7-8 अक्टूबर, 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। 2026 की बैठक इसका लगातार तीसरा वैश्विक सत्र है।
- **एचएससी 2026 का विषय:** 2026 का सम्मेलन आधिकारिक संचालन विषय के तहत आयोजित किया जा रहा है: हम मिलकर सतत विकास का सह-निर्माण करते हैं।

Question

Q. तीसरे हैम्बर्ग सततता सम्मेलन (एचएससी) के दौरान अपनी '2026 सतत विकास रिपोर्ट' किस संगठन ने जारी की?

A. संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (SDSN)

B. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)

C. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

D. विश्व आर्थिक मंच (WEF)

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213